हड़ताल करने एवं जीतने के उपाय[1]

एरिक ब्लांक

आम तौर पर प्रशिक्षण आयोजन करने को खबर के लायक नहीं समझा जाता। हड़ताल स्कूल इस सामान्य नियम का अपवाद था। स्कूल का आखिरी सत्र 13 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ। मजदूर संगठक जेन मैकलेवेरी की अगुवाई में रोजा लक्ज़मबर्ग स्टीफतुंग द्वारा प्रायोजित "हड़ताल स्कूल" में सत्तर देशों के 3000 व्यक्ति एवं समूहों ने हिस्सा लिया। इस 6 सत्रीय प्रशिक्षण में शामिल लोगों ने सत्ता के खिलाफ लड़ाई में सही तरीका अपनाकर उन्हें हराने की चुनौती को लेकर चर्चा/संवाद/बहस किया।

यह कार्यशाला विश्व राजनीति के सबसे अंधेरे समय में हुआ जब कोरोना महामारी की तबाही के साथ बेरोजगारों की संख्या अचानक बहुत बढ़ गई। इस स्थिति ने मेहनतकशों को बचाव की मुद्रा में आने के लिए मजबूर किया। आज हम सामाजिक मदों में सरकारी खर्चों में कटौती, पर्यावरण विपत्ति, सभी तरह के संकट के लिए बाहर से आए लोगों को जिम्मेदार ठहराने जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। ऊपर से डोनाल्ड ट्रम्प एवं उसके जैसे प्रतिक्रियावादियों के सत्ता में पहुँचने की आशंका से ग्रस्त हैं। इन स्थितियों में वैश्विक स्तर पर प्रगतिशील परिवर्तन के लिए मजबूत एवं जुझारू मजदूर आंदोलन की कमी महसूस कर रहे हैं।

इस संकट की स्थिति को बदलने के लिए इन यूनियनों के सामर्थ्य की संभावना को टटोलना बाकी है, लेकिन इस संभावना की झलक दिख रही है। हड़ताल स्कूल का उद्घाटन एसोसिएशन ऑफ फ्लाइट अटेंडेंट के अध्यक्ष सारा नेल्सन ने किया। सारा ने 2019 में ट्रम्प सरकार की सरकारी कार्यालयों को बंद करने की कोशिश को आम हड़ताल करने की धमकी देकर रोकने में मदद की।

जेन मैकअलेवे लिखते हैं कि "हम लोगों ने कुछ हद तक आम हड़ताल तथा हड़ताल के विषय में ज्यादा से ज्यादा हो रही चर्चा के मद्देनजर हड़ताल स्कूल का आयोजन किया"। जेन मैकअलेवे अमेरिका में 30 के दशकों के जुझारू मजदूर आंदोलन की विरासत में प्रशिक्षित हैं। वह 1999 में स्थानीय वामपंथियों के नेतृत्व में संगठित हेल्थ केयर वर्कर्स यूनियन में सक्रिय रहे'। इसलिए संगठित करने के मूलभूत सिद्धांतो को खोज निकालने एवं आज के लिए जरूरी व्यापक हड़ताल को अंजाम देने के तरीकों को खोजने का यही सबसे उपयुक्त समय है।

इसी के अनुरूप स्कूल में काम की जगह पर नेतृत्व की पहचान,शब्दों के अर्थ संबन्धित ज्ञान तथा संगठित करने के लिए व्यवस्थित छः स्तरीय बातचीत, काम की जगह का लेखा-चित्र तथा सामुदायिक लेखा-चित्र, संरचनात्मक परीक्षण एवं हड़ताल के लिए लामबंदी जैसे विषयों पर ध्यान दिया गया। इसके पहले दो बार जेन मैकअलेवे एवं जर्मनी के समाजवादी संस्थान रोजा लक्ज़मबर्ग स्टीफतुंग की साझेदारी में हड़ताल स्कूल का आयोजन हुआ था। पहले दो बार व्यक्तिगत पंजीयन की व्यवस्था थी, इस बार सिर्फ समूह एवं संगठन के रूप में ही पंजीयन किया गया। इसका मकसद प्रशिक्षण को जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान एवं सामूहिक पहल

[1] प्रस्तुत लेख रोज़ा लक्समबर्ग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के बारे में है

से संगठन निर्माण करने के लिए उपयोगी बनाया जा सके।

संगठित करने का किसी भी तरह का अनुभव नहीं रखने वाले साथियों के लिए इस स्कूल का पाठ्यक्रम बिलकुल नया था। लिलिया रोड्रिग अमेरिका के यूएनआइ से आई थी। यह दक्षिण अमेरिका में मजदूरों को यूनियन में संगठित करती हैं। लिलिया का कहना है कि 'इस कार्यशाला ने संगठक के रूप में मेरी कुशलता को निखारने में तथा मुझे यूनियन,स्टाफ तथा सदस्यों के बेहतर तरीके से नेतृत्व देने में सचमुच मदद की है'। पब्लिक सर्विस इंटरनेशनल के एवरलाइन अकेट्च केन्या,यूगांडा,तंजानिया एवं रवांडा में संगठकों को प्रशिक्षित करते हैं। वे कहते हैं 'इस कार्यशाला ने मुझे अर्थज्ञान का महत्व सिखाया। हम किस तरह से संवाद करें ताकि यूनियन में सदस्यों को शामिल करने की प्रक्रिया ज्यादा समावेशी हो सके एवं उसे बाहरी होने का अहसास ना रहे'।

हड़ताल स्कूल में 'लामबंद करने' एवं 'संगठित करने' के बीच में फर्क करने के तर्क को केंद्र में रखकर सभी तरह की कुशलता को एक साथ पिरोने की कोशिश की गई। हम अपने से सहमत लोगों को लामबंद करते हैं। अपने से असहमत लोगों को अपनी ओर ले आने का प्रयास करते हैं, यह लोगों को संगठित करने का काम है। जेन मैकअलेवे कहते हैं कि'इस पाठ्यक्रम की मूल अवधारणा संगठक को रोज सबेरे उठकर किस तरह से उनसे असहमत लोग या वे लोग जो उनके साथ असहमत होने का दावा करते हैं, के साथ संवाद बनाने के बारे में सोचना पड़ता है'।

2019 में लॉस एंजिल्स एवं शिकागो में शिक्षकों के हड़ताल के समय संगठित करने की इस परंपरा की ताकत तथा उसकी व्यावहारिक प्रासंगिकता साबित हुई। इस स्कूल को आयोजित करने के पीछे यही भावना काम कर रही थी। मजदूर वर्ग तथा वामपंथी ताकतों के कई दशकों की पराजय एवं पीछे हटते रहने के बाद इस सफलता ने दिखाया कि अभी भी लड़ने एवं जीतने की संभावना बाकी है एवं इस प्रक्रिया में मेहनतकश जनता की उम्मीद को भी जीवित किया जा सकता है। शिकागो शिक्षक यूनियन के उपाध्यक्ष स्टेसी डेविस गेट्स ने समापन सम्बोधन में इसे खूबसूरत रूप से कहा 'एक हड़ताल आपके जीवन का सबसे ज्यादा आत्मिक अनुभव हो सकता है'। 2019 की शुरुआत में लॉस एंजिल्स के 30000 शिक्षकों ने हड़ताल में हिस्सा लिया। इस हड़ताल के लिए लोगों को संगठित करने का तरीका एवं उससे संबन्धित काम के बारे में यूनाइटेड टीचर्स लॉस एंजिल्स के संगठक जोललेने लेविड एवं ब्रायन म्क्नमरा के अनुभव का उपयोग हड़ताल में किया गया। लेविड समझते हैं, हड़ताल स्कूल में संगठित करने के औज़ार एवं सबक के बारे में जो कुछ बताया जाता है वह कोई छुपी हुई चीज नहीं है। कई पीढ़ियों के यूनियन नेतृत्व तथा कार्यकर्ताओं ने उसे कई दशकों में गढ़ा है एवं उसे साझा करना चाहिए। वे कारगर हैं। यूटीएलए ने इन बुनियादी तरीकों का उपयोग व्यापक हड़ताल को अंजाम देने के लिए किया। मैंने कार्यक्रम में अन्य यूनियन कार्यकर्ताओं के साथ साझा करने के लिए इसका उपयोग किया। यूटीएलए ने कोई जादू नहीं चलाया। असहमत लोगों को अपने पक्ष में संगठित करने के लिए हजारों की संख्या में संवाद किया गया, यूनियनों के ढांचों का परीक्षण किया गया, लेखा-चित्र बनाए गए एवं समुदाय को शामिल किया गया एवं बहुत सारी तैयारी की गई।

पाठ्यक्रम के आपसी संवाद एवं अभ्यास उन्मुख स्वरूप के कारण इसने प्रतिभागियों को इन तरीकों को

उनके ठोस अभियानों में लागू करने के लिए उत्साहित किया। सान फ्रान्सिस्को हाउसिंग (आवास)राइट्स (अधिकार)कमेटी ने 16 अक्टूबर को ट्वीट किया।

जेन मैकअलेवे, जोललेने लेविड, ब्रायन म्क्नमरा आदि जैसे कमाल के संगठकों के साथ हड़ताल स्कूल में हिस्सा लेने के बाद करने के लिए सबसे अच्छा काम और क्या हो सकता है? 59 आवास इकाइयों की मल्कियत वाले सान फ्रांसिस्को के सबसे बड़े मकान मालिक के एक समूह पत्र की शुरुआत। स्कूल में हिस्सा लेने वाले किराएदारों के नेता ने यह काम किया।

हड़ताल स्कूल का प्रशिक्षण दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम से सिर्फ अपने विषय वस्तु के कारण ही अलग नहीं था, उसमें बहुत कुछ कर गुजरने की संभावना थी। सत्तर देशों के अलग-अलग उद्योगों, यूनियनों के हजारों लोगों को एक साथ लाया गया था। पाठ्यक्रम का अंतर्राष्ट्रीय चरित्र खासकर उल्लेखनीय है। कई महीने दुनिया भर के दर्जनों यूनियनों ने मैकलेवे और आरएलएस के साथ काम किया और हड़ताल स्कूल की सामग्री और प्रारूप की योजना बनाई। इस प्रक्रिया में श्रमिक संगठकों के एक समस्तरीय बहुराष्ट्रीय नेटवर्क बनने की ओर पहला कदम बढ़ाया गया। प्रशिक्षण के लिए 120 लोगों ने संचालन की ज़िम्मेदारी संभाली। उन्होंने छोटे समूह में प्रतिभागियों को तरीकों पर चर्चा करने एवं अभ्यास करने का बेहतर अवसर दिलाया। "अल्बानिया में हड़ताली तेल-रिफाइनरी श्रमिकों के लिए समर्थन जुटाने के लिए काम करने वाले बोरा मेमा ने बताया कि उसे खासकर छोटे सत्र की चर्चा उपयोगी लगी। इस अभ्यास ने हमें हमारी गलतियों को पहचानने में मदद की जिससे हम वापस अपने क्षेत्र में लौटने के बाद इन गलतियों को दोहराने से बचने की पूरी कोशिश करेंगे। वैश्विक भागीदारी को संभव करने के लिए रोज दो बार पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया और सभी सामग्रियों के साथ-साथ प्रशिक्षण सामग्री का अरबी,स्पेनिश,फ्रेंच,पुर्तगाली और जर्मन में अनुवाद किया गया था। स्कूल में भाग लेने वाले अंतर्राष्ट्रीय यूनियनों और संगठनों की सूची में दक्षिण अफ्रीका के नेशनल यूनियन ऑफ मेटलवर्कर्स,फिलिस्तीनी पोस्टल वर्कर्स,घाना पंजीकृत नर्स और मिडवाइव्स एसोसिएशन,जॉर्डन टीचर्स यूनियन,भारत के न्यू ट्रेड यूनियन इनिशिएटिव,न्यूजीलैंड के ई टू,सिनसैडे और ब्राजील के सिंदिकेटो डॉस एनफ्रेमियोस,मेक्सिको के रेड डी सॉलिडेरिडैड कॉन ट्रोबाजडोरक्स एन रिसेगो,डोमिनिकन रिपब्लिक के फेडोट्राजोनास,यूके के यूनिवर्सिटी और कॉलेज यूनियन,नीदरलैंड्स के अल्जिमेने ओन्डेरविज्सबोंड एवं अमेरिका और कनाडा के कई संगठन शामिल हैं।

इस सूची में यूनियनों के अलावा दूसरे समूह भी शामिल थे। इनमें भाग लेने वाले कई किरायेदार समूह थे। इसके अलावा नेशनल स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ़ पाकिस्तान,फ़िलीपीन्स के माइग्रेंट एडवोकेसी केंद्र, मेक्सिको के "कोम्टे फ्रोंटेरीज़ो ओ ओबेरोस",फ्राईडेज़ फॉर फ्युचर इन जर्मनी, एगीर पोर ला पाक्स इन बेल्जियम,प्लाटाफ़ॉर्मा डी एक्टेरडोस पोर ला हिपोटेका इन स्पेन,नाइजीरिया में कोर,साथ ही अमेरिका के आपातकालीन कार्यस्थल आयोजन समिति।"

अपने-अपने देशों में संगठित करने के अनुभव को एक दूसरे से साझा करने अवसर बहुत कम मिल पाता है। अलग-अलग देशों के प्रतिभागियों को लेकर बनाए गए समूह के सत्र उनमें से बहुतों के लिए मुख्य आकर्षण

थे। वैश्विक स्तर पर देशों के संदर्भ में वास्तविक भिन्नता के बावजूद प्रतिभागियों ने हड़ताल स्कूल में सिखाए गए तरीकों को मोटे तौर पर अपने देशों के लिए प्रासंगिक बताया। अहेल संगठन की ओर से स्कूल में हिस्से लेने वाले 8 प्रतिभागियों में निसरीन हज अहमद भी थे। यह संगठन लेबनॉन, फिलिस्तीन एवं जॉर्डन के सामाजिक न्याय के लिए काम करने वाले समूहों को प्रशिक्षण देता है। निसरीन ने बताया कि स्कूल ने हड़ताल को अंजाम देने एवं लोगों को संगठित करने के लिए जरूरी होने वाले अनुशासन की हद एवं दिशा के बारे में हमारी आंखे खोल दी। पार्टिडो मंगलगावानोथे टेकएवे के रैंडी मिरांडा ने "बड़ी सौदेबाजी" को उपयोगी बताया।

यहाँ फिलीपींस में, यूनियनों द्वारा सामूहिक सौदेबाजी केवल एक छोटे समूह में की जाती है जिसमें आमतौर पर अध्यक्ष और कुछ अधिकारी रहते हैं। ये लोग बातचीत में उनके साथ बैठे वकीलों की बुद्धिमत्ता पर अधिक भरोसा करते हैं। लेकिन हमने स्ट्राइक स्कूल में सामूहिक सौदेबाजी में श्रमिकों की एक बड़ी संख्या को शामिल करने के महत्व के बारे में सीखा। सबक यह है: खासकर बातचीत के दौरान श्रमिकों पर भरोसा करने का सबक मिला।

कुछ देशों में, मजदूरों को संगठित करने के गंभीर प्रयास की परंपरा को तिनकों के सहारे पुनर्जीवित करना पड़ा है। अल्बानिया में कुछ ऐसी स्थिति थी जहां बोरा मेमा का 'ऑर्गनाइजेट पोलिटाइक' परिधान, तेल शोधन, खनन और कॉल सेंटरों में स्वतंत्र यूनियनों के संगठकों को मदद कर रहा था। *"अल्बानिया ने समाजवादी शासन के पतन के बाद बड़े पैमाने पर निजीकरण और ट्रेड यूनियनों की कमी का सामना किया है। इसलिए हमारे देश में मजदूरों को फिर से संगठित करने की जरूरत है। विशेष रूप से, हमारे पास संगठित करने की परंपरा का अभाव रहने के कारण स्कूल से सीखना बहुत उपयोगी रहा"*। जब उसे हड़ताल स्कूल में सिखाये गए महत्वपूर्ण सबक के बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि " *सब कुछ महत्वपूर्ण था, लेकिन पहली बात जो ध्यान में आती है वह एक छोटी-सी-महत्वपूर्ण बात थी: यह केवल कार्यस्थल में नेता को पहचानने के बारे में नहीं है, बल्कि यह भी पता लगाने के बारे में है कि उसे अपने साथ जोड़ने के लिए सबसे पहले आपको किस व्यक्ति से संपर्क करना चाहिए*"।

एक संवादात्मक प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए दुनिया भर से हजारों लोग आये। इनके लिए रहने के साथ सभी तरह का इंतजाम करना चुनौती भरा था। कुछ खामिया रह गईं थीं। हड़ताल स्कूल के प्रशिक्षण में संगठित करने के पुराने तरीकों को उपयोग में लेने के लिए नए तकनीकों का प्रभावी रूप से उपयोग करना अनूठी महत्वपूर्ण बात थी। स्कूल ने संगठित करने के लिए 1930 के दशक से चले आ रहे तरीकों पर ध्यान केन्द्रित किया, लेकिन प्रशिक्षण की संगठनात्मक संरचना,डिजिटल उपकरण और स्वयंसेवक श्रम पर निर्भरता जितना प्रभावी रहा वह वेतन पर रखे गए कर्मचारियों की क्षमता से कहीं ज्यादा असरदार था। यह प्रशिक्षण बर्नी सैंडर्स के 2016 और 2020 के अभियान, सनराइज मूवमेंट और अमेरिका में आपातकालीन कार्यस्थल आयोजन समिति द्वारा उपयोग किए गए नए "वितरित रूप से संगठित करने के मॉडल से मिलता-जुलता है। लेकिन इस मॉडल के जुटान से इतर लोगों को संगठित करने में प्रभावी होने के बारे में निष्कर्ष पर पहुँचना बाकी है। इसके बावजूद स्ट्राइक स्कूल का अनुभव खुद एक मजबूत श्रम- वामपंथी आंदोलन के बुनियादी ढांचे के घटकों का पुनर्निर्माण करने में सक्षम होने का संकेत देता है। चूंकि मैकएलेवे और आरएलएस 2021 और उससे आगे अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं, दो मुद्दों को उठाना जरूरी लग

रहा है जिन पर आने वाले समय में विचार करने की जरूरत हो सकती है। पहला मुद्दा प्रशिक्षण की सामग्री और नेटवर्क का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के तरीकों को लेकर है ताकि इसमें विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों की झलक दिखाई दे सके। हालांकि इस संबंध में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए थे, लेकिन सभी आयोजकों ने सहमति व्यक्त की कि स्ट्राइक स्कूल के सहायक वक्ता और प्रतिभागियों में अंग्रेज़ीभाषी एवं यूरोपियों का प्रतिनिधित्व बहुत ज्यादा है।

एशिया, अफ्रीका और लेटिन अमेरिका में श्रमिक संगठनों और संगठकों तक पहुँच बढ़ाने की कोशिश के साथ, विभिन्न राजनीतिक संदर्भों में अलग-अलग तरीकों से संगठित करने के तरीके के प्रभावी होने के कारण भी यह सवाल उठता है। जैसा कि लीलिया रोड्रिग्ज ने कहा, "मैंने एक चीज प्रशिक्षण से सीखी है कि दुनिया भर में अलग-अलग तरीके से संगठित करने की प्रक्रिया होने की बात को याद रखना है एवं सत्ता के लिए संगठित होने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अवधारणाओं को किस तरह से बदला जाता है एवं बदलना चाहिए। उदाहरण के लिए अलग-अलग देशों में यूनियन गतिविधियों की वैधता और उन पर दमन का स्तर में महत्वपूर्ण रूप से भिन्नता है। ऐसी स्थिति में संगठित करने के तरीकों के बारे में भिन्नता लाजिम है। ग्लोबल साउथ में संगठित करने की विशेष रूप से कठोर वास्तविकताओं की सच्चाई स्ट्राइक स्कूल के दौरान ही स्पष्ट रूप से सामने आ गई थी जब नाइजीरिया के प्रतिभागियों के यूनियन सदस्यों के एक समूह को संगठित करने के प्रयासों के लिए गिरफ्तार किया गया। विशिष्ट देशों के साथ-साथ विशिष्ट उद्योगों में संगठित करने के लिए तरीकों को बदलने का सवाल गंभीर चिंतन का विषय है। अधिक अंतर्राष्ट्रीय विनिमय और विचार-विमर्श इसमें मदद कर सकता है।

दूसरा बड़ा मुद्दा यह है कि संगठित करने का तरीका किस तरह से राजनीति में वर्ग की शक्ति बनाने में मदद कर सकता है। मजबूती के लिए हड़ताल के लिए तैयार यूनियनों की जरूरत है, लेकिन इतिहास गवाह है कि मेहनतकश लोग उनके हितों का प्रतिनिधित्व करने वाली स्वतंत्र पार्टी के बगैर इसी हद तक जा सकते हैं। स्ट्राइक स्कूल में पढ़ाए जाने वाले तरीकों का राजनीतिक रूप से संगठित करने के प्रयास में किस हद तक उपयोग किया जा सकता है?

श्रमिक वर्ग के राजनीतिक दलों के पुनर्निर्माण के बिना नव-उदारवाद को उलटने एवं एक सच्चे राजनीतिक और आर्थिक लोकतंत्र की कल्पना करना कठिन है। लेकिन इसे पूरा करने की कोशिश से रणनीतिक तनाव की पूरी श्रृंखला तैयार हो जाती है। कार्य स्थल पर संगठन के साथ चुनावी कार्य में किस तरह से सामंजस्य बैठाया जाय? जमीनी आवाज के आधार पर कार्यवाही करने को बढ़ावा देने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों पर दवाव डालने का सवाल लंबे समय से वामपंथियों के लिए राजनीतिक दुविधा का प्रश्न बना हुआ है। इन सवालों का जवाब देना एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दायरे से बाहर हो सकता है। लेकिन आने वाले दिनों में, स्ट्राइक स्कूल के आसपास उभरते होनहार अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क राज्य के अंदर संगठित करने के साथ कार्यस्थलों और आस-पड़ोस में संगठित करने के काम को कारगर तरीके से संयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।